प्रकाशन तिथि : 15 मार्च, 2022
प्रेषण तिथि : 19 मार्च, 2022

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2021-23
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 26 | अंक 01 | कुल पृष्ठः 8 | एक प्रतिः रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

माननीय संघप्रमुख श्री का राजस्थान व गुजरात प्रवास, सहयोगियों व स्वयंसेवकों से किया संवाद

कोरोना काल के प्रतिबंधों के कारण संघ की भौतिक गतिविधियों में कमी आ गई थी। अब स्थिति सामान्य होने के बाद सभी क्षेत्रों में सक्रियता बढ़ाने व हीरक जयन्ती के पश्चात समाज की बढ़ी हुई आकांक्षाओं के अनुरूप संघकार्य की गति देने के उद्देश्य से माननीय संघप्रमुख श्री ने विभिन्न संभागों का दौरा करके स्वयंसेवकों के साथ बैठकें की और वर्तमान में हो रहे संघकार्य की समीक्षा के साथ आगामी कार्ययोजना पर भी चर्चा की। केंद्रीय कार्यकारी गजेन्द्र सिंह आऊ व गंगा सिंह साजियाली भी पूरे प्रवास में साथ रहे। 23 फरवरी को बीकानेर में प्रवास के पश्चात माननीय संघप्रमुख श्री 24 फरवरी को जैसलमेर संभाग के दौरे पर रहे। इस दौरान बाप, फलोदी तथा जैसलमेर में स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित हुए। बाप में गणपत सिंह अवाय के निवास पर आयोजित स्नेहमिलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि क्षत्रिय की महानता इस बात में है कि वह सभी को साथ लेकर चलता है। जो सभी की क्षय से रक्षा करता है वही क्षत्रिय है। श्री क्षत्रिय युवक संघ भी उन्हीं आदर्शों की पुनर्स्थापना का उद्देश्य लेकर कार्य कर रहा है। गीता में वर्णित वैराग्य और निरंतर अभ्यास की प्रणाली के माध्यम से संघ समाज में संस्कार निर्माण द्वारा सार्थक जीवन जीने का शिक्षण दे रहा है। उपखंड अधिकारी हरि सिंह देवल, बाप प्रधान प्रतिनिधि रतनसिंह धोलिया, सीमाजन कल्याण समिति जिला संयोजक सांग सिंह भाटी व पूर्व सरपंच किशनलाल पालीवाल ने भी अपने विचार रखे। सर्वसमाज के बंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इसके पश्चात संघप्रमुख श्री फलोदी पहुँचे जहाँ परमवीर मेजर शैतानसिंह राजपूत छात्रावास में स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। स्नेहमिलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शौर्य, तेज, धैर्य, दक्षता, संघर्षशीलता, दान व ईश्वरीय भाव - क्षत्रिय के ये सात गुण भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में बताए हैं। हमें इन गुणों के परिप्रेक्ष्य में अपने आप का आकलन करने की आवश्यकता है कि हम इन पर कितना खरा उतरते हैं। केवल क्षत्रिय कुल में जन्म लेने से ही नहीं बल्कि इन क्षत्रियोचित गुणों को अपने आचरण का अंग बनाकर ही हम स्वयं को क्षत्रिय कहने के अधिकारी बन सकते हैं। संघ इन्हीं गुणों के निर्माण के लिए कार्य कर रहा है, जिसमें आप सभी के सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है। कार्यक्रम में छात्रावास के विद्यार्थियों के अतिरिक्त शहर में रहने वाले समाजबंधु भी उपस्थित रहे। तत्पश्चात माननीय संघप्रमुख श्री ने रामदेवरा पहुंच कर बाबा रामदेव की समाधि के दर्शन भी किए। इस दौरान पोकरण प्रधान भगवत सिंह, रामदेवरा सरपंच समंदर सिंह व मंदिर की समिति के सदस्यों ने संघप्रमुख श्री का स्वागत किया। **(शेष पृष्ठ 2 पर)**

संरक्षक श्री की राजस्थान के मुख्यमंत्री से भेंट

श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय भगवानसिंह रोलसाहबसर की 28 फरवरी को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक जी गहलोत से भेंट हुई। इस अवसर पर श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी, राजस्थान पर्यटन निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राठौड़ एवं श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के केन्द्रीय सहयोगी यशवर्धनसिंह झेरली भी उपस्थित रहे। माननीय संरक्षक महोदय ने हीरक जयंती के अवसर पर राजस्थान सरकार के प्रशासन द्वारा किए गये सहयोग का आभार जताया वहीं माननीय मुख्यमंत्री ने हीरक जयंती समारोह में सभी के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार हेतु दिए गये संदेश को सभी के लिए अनुकरणीय बताया एवं उसके व्यापक प्रभाव की प्रशंसा की। लगभग आधा घंटे चली मुलाकात में प्रदेश के विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

भाजपा के प्रदेश प्रभारी अरुणसिंह पहुंचे 'संघशक्ति'

राजस्थान भाजपा के प्रदेश प्रभारी एवं भाजपा के केन्द्रीय महामंत्री अरुणसिंह अपने जयपुर प्रवास के दौरान 9 मार्च को माननीय संरक्षक श्री से मिलने संघ के केन्द्रीय कार्यालय 'संघशक्ति' पहुंचे। विगत लंबे समय से माननीय अरुणसिंह ऐसी चाह प्रकट कर रहे थे लेकिन प्रायः उनके जयपुर प्रवास के दौरान संरक्षक श्री के बाड़मेर रहने के कारण यह संभव नहीं हो पाया। माननीय संरक्षक श्री के स्नेह एवं माननीय अरुणसिंह जी के विनय ने इस बैठक को औपचारिकता से दूर पारिवारिक बनाया एवं माननीय महावीर सिंह जी ने उन्हें श्री क्षत्रिय युवक संघ की जानकारी दी। लगभग 45 मिनट चली बैठक में राजस्थान भाजपा और राजपूत समाज विषय पर भी चर्चा हुई एवं वर्तमान में राजस्थान भाजपा द्वारा समाज के साथ किए जा रहे उपेक्षापूर्ण व्यवहार के कारण समाज में व्याप्त नाराजगी से भी अवगत करवाया गया। बैठक के दौरान पूर्व विधायक प्रेमसिंह बाजोर, भाजपा के प्रदेश मंत्री श्रवणसिंह बगड़ी, भाजपा नेता प्रेमसिंह बनवासा, भंवरसिंह बांजाकुड़ी भी उपस्थित रहे।

माननीय संघप्रमुख श्री का राजस्थान व गुजरात प्रवास, सहयोगियों व स्वयंसेवकों से किया संवाद

बाड़मेर

नागौर

कालियाबीड (भावनगर)

(पेज एक से लगातार)

इसके बाद माननीय संघप्रमुख श्री जैसलमेर स्थित संभागीय कार्यालय तनाश्रम पहुंचे। यहां आयोजित स्वयंसेवकों की बैठक में चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि बिना ईश्वर की कृपा के कोई भी कार्य सफल नहीं हो सकता इसलिए हमें स्वयं में कर्तापन को पनपने नहीं देना है। अपने को केवल माध्यम मानते हुए निर्लिप्त भाव से कार्य करते हुए चलना है। परिस्थितियां प्रतिकूल व अनुकूल हो सकती हैं लेकिन हमें उनसे प्रभावित हुए बिना अपने मार्ग पर डटे रहना है और जो निरंतर चलते रहते हैं वे मंजिल पर अवश्य पहुँचते हैं। उन्होंने कहा कि हीरक जयन्ती के भव्य समारोह के बाद समाज की बढ़ी हुई अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए हमें अपनी क्षमता को गुणित करना होगा। इसके लिए निरंतर जागृत रहकर संघकार्य का अधिकाधिक विस्तार करना है। हम उत्साह पूर्वक कार्य में जुटेंगे तो सभी प्रकार का सहयोग हमें स्वतः ही प्राप्त होता जायेगा। संभागप्रमुख तारेन्द्र सिंह झिनझिनयाली ने संभाग के सभी प्रान्तों में हो रहे संघकार्य का ब्यौरा प्रस्तुत किया तथा आगामी शिविरों के प्रस्तावों की जानकारी दी। बैठक में शहर में रहने वाले स्वयंसेवक उपस्थित रहे। तनाश्रम में रात्रि विश्राम के पश्चात माननीय संघप्रमुख श्री 25 फरवरी को बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम पहुंचे। यहाँ आयोजित स्वयंसेवकों के स्नेहमिलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ का कार्य लोकसंग्रह का कार्य है। लोकसंग्रह यदि नहीं होगा तो श्री क्षत्रिय युवक संघ चल नहीं सकेगा क्योंकि लोकसंग्रह के बिना सांघिक उद्देश्य की पूर्ति संभव नहीं है। कोरोना काल में लोकसंग्रह के हमारे मुख्य कार्य की गति बहुत कम हो गई है, उस गति को पुनः बढ़ाने और गुणित करने की आवश्यकता है। संघ एक विस्तृत आदर्श परिवार है और इस परिवार को हमें और आगे बढ़ाना है। यह आगे तभी बढ़ेगा जब हम सब मिलकर एक दिशा में एक उद्देश्य की ओर गतिमान होंगे। यदि सभी अपना अपना मार्ग बनाकर अपने हिसाब से चलने लगे तो परिवार बिखर जाता है इसलिए स्मरण रखें कि व्यक्तिगत रूप से स्वयं को परिष्कृत करना निश्चित रूप से हमारा उद्देश्य है लेकिन संघरूप में हमारा उद्देश्य, हमारा मुख्य कार्य लोकसंग्रह का है। पूज्य तनसिंह जी तो स्वयं पूर्ण परिष्कृत थे, उन्हें किसी परिष्करण की आवश्यकता नहीं थी लेकिन फिर भी उन्होंने लोकसंग्रह के लिए श्री क्षत्रिय युवक संघ का निर्माण किया जिससे अपने आप को परिष्कृत करके जीवन लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रक्रिया को सामूहिक स्वरूप प्रदान किया जा सके। इसलिए हम अधिक से अधिक लोगों तक संघ को, संघ की बात को पहुंचाएं, उन्हें संघ में लाएं तभी संघ का उद्देश्य पूर्ण हो सकेगा। साथ ही हम स्वयं भी संघ के निरन्तर संपर्क में बने रहें ताकि अपने आपको मांजने की जो प्रक्रिया है उसमें ठहराव न आ जाये। उन्होंने आगे कहा कि हीरक जयंती समारोह ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि क्षत्रिय में ही संसार का मार्गदृष्टा बनने की क्षमता है। पहले भी विभिन्न संत, विद्वान आदि यह बात कहते रहे हैं कि संसार को मार्ग दिखाने का कार्य क्षत्रिय ही कर सकता है और हीरक जयन्ती के कार्यक्रम से यह विश्वास और अधिक गहरा हुआ है। श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रति भी समाज की आशाएं इस कार्यक्रम से बहुत बढ़ गई है जिन्हें पूरा करने का दायित्व हम पर ही है। हमें अपने आप का आकलन करने की आवश्यकता है कि हमने हीरक जयंती के समय कितना कार्य किया और जो परिणाम आया है उसमें हमारा कितना सहयोग रहा और यह भी विचार करने की बात है कि यदि हम अपनी पूर्ण क्षमता से कार्य करें तो समाज में कितना परिवर्तन लाया जा सकता है। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमारी प्राथमिकता बन जाए तो कार्य करने के लिए आवश्यक योग्यता भी हमारे में पैदा हो जाएगी। आवश्यकता केवल हमारे द्वारा इस मार्ग पर निष्ठापूर्वक और निरन्तर चलने की है। पूज्य श्री तनसिंह जी की तपस्या के प्रकट होने में हम माध्यम बनें, यह हमारे लिए सौभाग्य की बात होगी। ईश्वर कृपा से हमें जो यह अवसर मिला है इसे अपनी लापरवाही से हम कहीं खो न दें, इस के लिए सदैव जागृत रहकर संघ के बताए मार्ग पर चलते रहें। केंद्रीय कार्यकारी कृष्ण सिंह रानीगांव व संभागप्रमुख महिपाल सिंह चूली सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

26 फरवरी को माननीय संघप्रमुख श्री ने बालोतरा संभाग का दौरा किया जहाँ उनके सान्निध्य में दो स्नेहमिलन आयोजित हुए। पादरू स्थित जैतमाल राजपूत छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम में संघप्रमुख श्री ने कहा कि गीता में भगवान श्री कृष्ण ने क्षत्रिय के जो सात गुण बताए हैं उनमें से ईश्वरीय भाव सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण गुण है और उसी की आज समाज को सर्वाधिक आवश्यकता भी है। प्राणि मात्र को अपना मानकर उनकी रक्षा व कल्याण का दायित्व उठाना और बिना किसी भेदभाव के उस दायित्व का निर्वहन करना, यही ईश्वरीय भाव है। हमारे पूर्वजों ने इसी भाव के साथ हजारों वर्षों तक प्रजा का अपने परिवार की भांति पालन किया। आज समाज जिस पतन की स्थिति में है उसका कारण हमारे द्वारा उस ईश्वरीय भाव को त्याग देना ही है। संघ हमारी कौम में उसी भाव के पुनर्निर्माण में जुटा हुआ है। इसी प्रकार बालोतरा स्थित वीर दुगार्दास राजपूत छात्रावास में आयोजित स्नेहमिलन में उन्होंने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ का कार्य समाज की सर्वप्रमुख आवश्यकता है जिसमें हम सभी के सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है। पूज्य तनसिंह जी द्वारा बताए इस मार्ग पर चलने में ही हमारा, परिवार का, समाज का, राष्ट्र का और संसार का कल्याण निहित है इसलिए संघ गांव-गांव, नगर-नगर तक पहुंच कर पूज्य तनसिंह जी के संदेश को प्रसारित कर रहा है। गजेंद्र सिंह आऊ ने 'एक भिखारी की आत्मकथा' पुस्तक के 'तुम सहयोगी हो' प्रकरण पर चर्चा करते हुए कहा कि संघ के सहयोगी के रूप में हमारे क्या भाव होने चाहिए उसको समझने के लिए यह प्रकरण बार-बार पढना चाहिए। गंगा सिंह साजियाली ने आगामी उच्च प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों में जुटने की बात कही। संभागप्रमुख मूल सिंह काठाड़ी सभी प्रांतप्रमुख व सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। सिवाणा में संघ प्रमुख श्री ने पूज्य तनसिंह के पुत्र पृथ्वीसिंह जी के आवास पर जाकर पूज्य तनसिंह जी की धर्मपत्नी के दर्शन किए एवं आशीर्वाद लिया।

27 फरवरी को माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास जालोर संभाग में प्रवास पर रहे। इस दौरान संभाग के स्वयंसेवकों की बैठक संभागप्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी के जालोर स्थित आवास पर रखी गई जिसमें हीरक जयंती कार्यक्रम के अनुभवों तथा आगामी कार्य योजना पर चर्चा हुई। संघप्रमुख श्री ने स्वयंसेवकों से कहा कि हीरक जयन्ती समारोह ने निश्चित रूप से हमारी क्षमता को, हमारे अनुशासन को, हमारे संस्कारों को तो संसार के सामने प्रकट किया ही है और साथ ही श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रति समाज के गहरे विश्वास को भी व्यक्त किया है। अब इस विश्वास पर खरा उतरने की जिम्मेदारी हमें निभानी होगी। अब हमें प्रत्येक कदम पर जागृत रहने की आवश्यकता है क्योंकि समाज हमें निरंतर देख रहा है और हमें अपने आचरण को आदर्श बना कर समाज में नवजागरण का सूत्रपात करना है। इसके पश्चात सिरे मंदिर रोड स्थित नागणेची माता मंदिर में एक पारिवारिक स्नेहमिलन का भी आयोजन हुआ जिसे संबोधित करते हुए संघप्रमुख श्री ने कहा कि पूज्य तनसिंह जी के स्वप्न को साकार करने के लिए हमें सतत कर्मशील रहने की आवश्यकता है। पूज्य तन सिंह जी की समाज के लिए जो पीड़ा थी, जो भाव था उसको हम अनुभव करें और उसे आगे प्रसारित करें तभी पूरा समाज एक परिवार का रूप लेगा। समाज, राष्ट्र और मानवता की सच्ची सेवा वही कर सकता है जिसके हृदय में इनके लिए पीड़ा जागृत हो गई हो। इस पीड़ा के जगे बिना यदि कोई समाज की सेवा का दावा करता है तो वह सेवा नहीं बल्कि किसी न किसी रूप में अपने स्वार्थ और अहंकार की तृप्ति ही होगी। हम पूज्य श्री की पीड़ा को अपने हृदय में धारण करके अपने भाव को पवित्र बनाये रखते हुए समाज में कार्य करेंगे तो हमें सभी प्रकार का सहयोग अवश्य प्राप्त होगा। हीरक जयन्ती में प्रकट हुआ सामाजिक सहयोग इस बात का प्रमाण है। इस सहयोग का हम पर ऋण है और इस ऋण को हमें अपनी कर्मठता से चुकाना है। संघप्रमुख श्री ने आगे कहा कि संघ को समझने के लिए हमें शाखाओं और शिविरों में निरंतर आना होगा और संघ शिक्षण को अपने जीवन में उतारना होगा। (शेष पृष्ठ 5 पर)

पादरू (बाड़मेर)

राजपूत बोर्डिंग (राजकोट)

जालोर

सकारात्मकता के प्रसार का अभियान जारी

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा गांव गांव जाकर श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा निर्देशित सकारात्मकता के प्रसार के अभियान के तहत की जा रही बैठकों की श्रृंखला में 6 मार्च को बाड़मेर जिले की महाबार एवं मीठड़ा गांव की ग्राम पंचायत स्तरीय बैठक महाबार में सम्पन्न हुई। बैठक में फाउंडेशन की केंद्रीय परिषद सदस्य महेंद्र सिंह तारातरा और जिला समिति सदस्य जालम सिंह मीठड़ा सहित धर्म सिंह महाबार, मुल्तान सिंह महाबार, श्रवण सिंह मीठड़ा, राम सिंह महाबार व अन्य साथी उपस्थित रहे और उन्होंने संघ के संदेश को समझने व तद्नुरुप क्रियाशील होने की बात कही। झुंझुनूं जिले की चिराना गांव की ग्राम पंचायत स्तरीय बैठक भी इसी दिन चिराना में सम्पन्न हुई। बैठक में फाउंडेशन की केंद्रीय परिषद सदस्य यशवर्धन सिंह झेरली, अरविन्द सिंह बालवा और जिला समिति सदस्य योगेन्द्र सिंह खिरोड़ सहित नरपत सिंह चिराना, विक्रम सिंह चिराना, राजेन्द्र सिंह चिराना, जगमोहन सिंह लोहार्गल, शक्ति सिंह झाझड़ व अन्य साथी उपस्थित रहे। इसी तरह नागौर जिले की जायल विधानसभा के रोहीणा गांव में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में फाउंडेशन की केंद्रीय परिषद के सदस्य जय सिंह सागुबड़ी ने फाउंडेशन के उद्देश्य, गठन व अब तक की कार्य योजना पर जानकारी दी, नरेंद्र सिंह राजोद ने श्री प्रताप फाउंडेशन की स्थापना, उद्देश्य और आवश्यकता पर बात करते हुए मतदान का महत्व बताया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के नागौर संभाग प्रमुख शिंभू सिंह आसरवा ने युवाओं को शिविर, शाखा, सम्पर्क यात्रा, कार्यशाला, संघ साहित्य, पत्र-पत्रिकाओं आदि के माध्यम से संघ से जोड़ने की बात कही जिससे समाज और राष्ट्र निर्माण में समयानुसार हम भी सहभागिता निभा सके। बैठक में सुरेन्द्र सिंह तंवरा, नारायण सिंह रोहीणा, राजु सिंह रोहीणा, सांवत सिंह उचाइडा सहित स्थानीय सहयोगी उपस्थित रहे। इसी दिन बाड़मेर जिले के बायतू की तहसील स्तरीय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान फाउंडेशन के केंद्रीय परिषद सदस्य महेंद्र सिंह तारातरा,वरिष्ठ स्वयंसेवक नाहरसिंह जाखड़ी, मूलसिंह चांदेसरा, देवीसिंह सणपा, शैलेंद्रसिंह कानोड़, जालमसिंह मीठड़ा, कानसिंह सोमेसरा, महेंद्रसिंह अकदड़ा, भोमसिंह चिड़िया, जोगसिंह, जितेंद्रसिंह, गोपालसिंह नोसर सहित स्थानीय समाजबंधु उपस्थित रहे। चूरू जिले की रतनगढ़ एवं सुजानगढ़ तहसील की तहसील स्तरीय बैठक पायली (रतनगढ़) और बीदासर में सम्पन्न हुई। बैठक में श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक सुमेर सिंहजी गुड़ा, फाउंडेशन की केंद्रीय परिषद सदस्य राम सिंह चरकड़ा, गजेन्द्र सिंह लूंछ, चूरू प्रांत प्रमुख राजेंद्र सिंह आलसर, लाडनूं प्रांत प्रमुख विक्रम सिंह ढिंगसरी, बीकानेर प्रांतप्रमुख खींवसिंह सुल्ताना और दोनों तहसीलों के स्थानीय सहयोगी उपस्थित रहे।

संघ बाहर से देखने की नहीं, जीवन में उतारने की बात है: संघप्रमुख श्री

(रायधना, नागौर में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न)

हम उस कौम से आते हैं जिस कौम ने जीवन के हर क्षेत्र में ऐसी सीमाएं बाँधी हैं, ऐसी लकीर खींच दी जिन्हें संसार मे कोई अन्य छू नहीं पाया। चाहे वो वीरता का क्षेत्र हो, धर्म का क्षेत्र हो, अध्यात्म का क्षेत्र हो, भक्ति का क्षेत्र हो या साहित्य सृजन का क्षेत्र हो। हमारे पूर्वजों ने सदैव स्वयं आदर्श बन कर संसार को मार्ग दिखाया। लेकिन आज स्थिति बदल गई है। दूसरों को मार्ग दिखाना तो दूर रहा, हम स्वयं भटक रहे हैं। ऐसी महान कौम की ऐसी दुर्दशा के प्रति पूज्य तनसिंह जी के हृदय में जन्मी पीड़ा ही श्री क्षत्रिय युवक संघ के जन्म का कारण बनी। उसी व्यथा का हमारे हृदय में भी जागरण हो, उसी पीड़ा से हम भी पीड़ित हो जाये, इसी उद्देश्य से संघ हमारे लिए ऐसे शिविरों का आयोजन करता है। संघ को उसकी पूर्णता में समझना सरल कार्य नहीं है। जैसे गूंगे को गुड़ खिला दिया जाये और पूछा जाए कि उसका स्वाद कैसा है तो जो गूंगे की स्थिति होती है वही स्थिति संघ के स्वयंसेवक की भी होती है क्योंकि संघ कोई बाहर से देखने की नहीं बल्कि जीवन में उतारने की बात है। जिस प्रकार अनेक अंधे व्यक्ति एक बड़े हाथी को हाथों से टटोल कर देखते हैं तो जिसके हाथ में हाथी का पांव आता है तो वह हाथी को खंभे के समान बताता है, जिसने हाथी की पूंछ को टटोला वह हाथी को रस्सी के समान बताता है उसी प्रकार संघ में किसी को खेल, किसी को गीत, किसी को चर्चा में आनंद आता है, किसी को सामूहिक जीवन में आनंद आता है लेकिन वास्तव में यदि श्री क्षत्रिय युवक संघ को जानना है तो पूज्य तनसिंह जी की व्यथा को हृदयंगम करना पड़ेगा। चाहे हम दस शिविर कर लें या सौ शिविर कर लें, उस पीड़ा के जागे बगैर संघ को नहीं समझा जा सकता। पूज्य तनसिंह जी ने संघ की परिकल्पना एक वृहद परिवार के रूप में की है और उसका आधार अपने प्रेम और तपस्या को बनाया। उसी प्रेम और तपस्या के अभ्यास से संघ के शिविरों में उस पीड़ा को उकसाया जाता है। जो अभ्यास को निरंतर, नियमित और नित्य करता है वही अपने उद्देश्य में सफलता पाता है। इसलिए संघ के शिविरों में बार बार आते रहना आवश्यक है। उपरोक्त संदेश माननीय संघप्रमुख श्री ने नागौर जिले के लाडनूं क्षेत्र में रायधना में आयोजित श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रशिक्षण शिविर में शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए दिया। उन्होंने कहा कि जब तक हम देंगे तब तक मिलेगा, जब तक हम करेंगे तब तक काम होगा। यही हमारी सनातन संस्कृति का शाश्वत सिद्धांत है कि दिए बिना कुछ मिलता नहीं है और किये बिना कुछ होता नहीं है। पूज्य तनसिंह जी ने इसीलिए लिखा है कि देता रहे जीवन ज्योति तू कण-कण को जला के, अस्तित्व मिटा के। जब तक हम हमारे अस्तित्व को नहीं मिटाएंगे तब तक संघ का निर्माण नहीं हो सकता। संघ का निर्माण करने के लिए तो अपना अस्तित्व मिटाना ही पड़ेगा। अपने अहंकार को, अपनी कामनाओ को मिटाना पड़ेगा। तभी उस संघ रूपी वृहद परिवार का निर्माण होगा जिसकी परिकल्पना पूज्य तनसिंह जी ने की है। माननीय संघप्रमुख श्री अपने नागौर प्रवास के दौरान 1 मार्च को शिविर में पधारे थे। 25 से 50 वर्ष की आयु वर्ग के लिए 27 फरवरी से 1 मार्च तक आयोजित इस शिविर का संचालन केन्द्रीय कार्यकारी रेंवत सिंह पाटोदा ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ का मार्ग जीवन भर चलने का मार्ग है क्योंकि विकास पूरे जीवन चलने वाली प्रक्रिया है, इसमें कभी ठहराव नहीं आता। संघ हमारे भीतर इसी अन्तर्विकास की प्रक्रिया को प्रारम्भ करता है और इस प्रक्रिया का सातत्य बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम निरंतर संघ के संपर्क में बने रहे। शिविर में अजमेर, पाली, जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, जालोर, टोंक, जयपुर, श्री गंगानगर, बीकानेर, चुरु, सीकर, हनुमानगढ, नागौर आदि जिलों के सहयोगियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रताप युवा शक्ति की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रताप युवा शक्ति द्वारा भीलवाड़ा स्थित महाराणा कुम्भा ट्रस्ट में खड़ेश्वर जी महाराज की स्मृति व पुष्पेंद्र सिंह खैराबाद की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ जिसमें 1307 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। जिले भर से आए रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया जिसमें अनेक महिलाओं की भी भागीदारी रही। आसीन्द विधायक जबर सिंह सांखला ने भी रक्तदान किया। सांसद सुभाष बहेड़िया, विधायक विट्ठलशंकर अवस्थी, संत लक्ष्मण दास, महन्त बाबू गिरी, संत निर्मल दास, प्रताप युवा शक्ति के जिलाध्यक्ष नागेन्द्र सिंह जामोली, सभापति राकेश पाठक, कोटड़ी प्रधान करण सिंह बेलवा, हुरड़ा प्रधान कृष्णा सिंह राठौड़, एएसपी गजेंद्र सिंह जोधा, डॉ कुलदीप सिंह नाथावत, वीरेन्द्र सिंह तलावदा सहित अनेकों गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित रहकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया।

संपादकीय

संकेतों को जानें, समझें और क्रियान्वित करें

उत्तरप्रदेश के चुनाव परिणामों से निकले संकेत समझने की आवश्यकता है। इन चुनावों से बहुत पहले ही योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व पर प्रश्न उठाने वाले लोगों ने 'ठाकुरवाद' का नारा लगाकर हमारे खिलाफ नकारात्मक माहौल बनाने का भरपूर प्रयास किया। एक वर्ग विशेष ने योगी जी के बहाने हमारे समाज को निशाना बनाया। योगी जी का विरोध करने वाले लोगों ने उनको निशाना बनाने के लिए हमारे संपूर्ण समाज को लक्ष्य बनाकर नकारात्मक बातें प्रसारित की। जिस समाजवादी पार्टी को स्थापित करने में हमारे समाज के अनेक लोगों ने अपना अमूल्य योगदान दिया उस समाजवादी पार्टी के मुखिया ने हमारे समाज के खिलाफ बयान दिया और इतिहास को विकृत करने के प्रयासों का समर्थन भी किया। अपने आपको राजपूत कहने वाले एक राज्य सभा सांसद ने तो अपनी पार्टी के प्रचार में अंधे होकर उत्तरप्रदेश की विशेष पुलिस STF को 'स्पेशल ठाकुरवादी फोर्स' तक कह डाला। कांग्रेस के एक शीर्ष नेता ने भी योगी जी के राजनीतिक विरोध के लिए 'वर्ग विशेष की गुंडागर्दी' शब्द का इस्तेमाल कर हमारे समाज को लक्ष्य बनाया। योगी जी की स्वयं की पार्टी में भी उनके विरोधियों ने ठाकुरवाद के जुमले को खूब प्रसारित कर अपना दबाव बनाने का प्रयास किया और वे सफल भी हुए। भारतीय जनता पार्टी ने हमारी टिकटों में कमी कर दी और परिणामस्वरूप हमारे विधायकों की संख्या भी कम हो गई। किसी समय हमारे 100 विधायक हुआ करते थे, पिछली विधानसभा में जहां लगभग 65 विधायक थे वहीं इस बार यह आंकडा 50 के आस पास ही सिमट गया और भाजपा में तो हमारे विधायकों की संख्या 40 के आस पास ही रही। हमारे विरोधी लोगों ने ठाकुरवाद के नाम पर एक नैरेटिव गढ़ा और उसका नुकसान समग्र रूप से हमें भोगना पड़ा। इन तमाम दबावों के बावजूद योगी आदित्यनाथ चट्टान की भांति डटे रहे, फिर भी हमारी विरोधी शक्तियां कुछ सीमा तक सफल हो गयीं। हालांकि इस प्रकार की हानि के बावजूद योगी जी के नेतृत्व में हुई जीत ने विरोधियों के मंसूबे पस्त कर दिए और यही हमारे लिए सुखद पहलु है। सुखद पहलु यह नहीं है कि एक राजपूत पुनः मुख्यमंत्री बन रहा है बल्कि यह है कि एक ऐसा राजपूत मुख्यमंत्री बन रहा है जो सार्वजनिक रूप से यह कहने की हिम्मत रखता है कि क्षत्रिय के घर में जन्म लेना सौभाग्य की बात है। जिस जाति में भगवान ने अवतार लिया हो उस जाति में जन्म लेना गौरव की बात है। जो सार्वजनिक रूप से यह कहता हो कि क्षत्रिय होने का अर्थ ही सबको साथ लेकर चलना होता है, दबे और पिछड़े को संरक्षण देना होता है, सभी का विकास करना होता है और सुशासन देना होता है।

आजादी के बाद से ही जिस प्रकार से राजनीति में षड्यंत्र पूर्वक हमें अस्पृश्य बनाये रखने का अभियान चलाया गया उस दौर में ऐसा साहसिक वक्तव्य महत्व रखता है और उस दौर में और भी अधिक महत्व रखता है जिस दौर में आपकी जाति को लेकर आपको लक्ष्य बनाया जा रहा हो। इस प्रकार उत्तरप्रदेश का चुनाव परिणाम जहां एक क्षत्रिय राजनेता के सुशासन पर मोहर लगाकर हमें गौरवान्वित करता है वहीं हमारे खिलाफ हो रहे षड्यंत्रों के कारण राजनीति में हमारी भागीदारी के घटने को लेकर आगाह भी करता है। प्रचार तंत्र किस प्रकार हमारे खिलाफ उपयोग में लाया जाता है इसको एक उदाहरण की सहायता से आसानी से समझा जाता है। पश्चिमी उत्तरप्रदेश में हमारी अच्छी संख्या है, हमारे बड़े बड़े गांव हैं लेकिन उसके बावजूद प्रचार तंत्र के बल पर उसे एक जाति विशेष का गढ़ करार दे दिया जाता है। देश के गृहमंत्री एक विशेष अभियान के तहत उस जाति की मिजाज पुर्सी करने पहुंचते हैं और उस जाति विशेष का प्रतिनिधित्व करने वाला विपक्षी दल वहां पिछले चुनावों की अपेक्षा अच्छा प्रदर्शन करता है फिर भी सत्ताधारी दल के अच्छे प्रदर्शन में हमारे योगदान को नहीं सराहा जाता बल्कि उन लोगों को श्रेय दिया जाता है जिन्होंने उनका विरोध किया था। ऐसे ही अनेक उदाहरण निकल कर आयेंगे जो हमारे लिए विशेष संदेश लेकर आये हैं, हमें संभलने, समझने और तदनुसार क्रियाशील होने को प्रेरित कर रहे हैं लेकिन क्या हम ऐसा कर पा रहे हैं? क्या हम उन लोगों के प्रति सावचेत हो पाते हैं जिन्होंने ठाकुरवाद का नैरेटिव गढ़ कर पूरे पांच वर्ष तक योगी जी दबाव बनाने के लिए हमारे समाज को टारगेट बनाया और सत्ता की मलाई भी भरपूर खाई? क्या हम प्रचार तंत्र के उस तिलिस्म को समझ पाते हैं जो सदैव हमें कमजोर करने को व कमजोर दिखाने को तत्पर रखता है और समझ पाने पर क्या उसे तोड़ने को तत्पर हो पाते हैं? क्या हम अन्यों की तरह पार्टियों की गुलामी से मुक्त होकर समाज केन्द्रित राजनीति की ओर अग्रसर हो पाते हैं? क्या हम इतनी सावधानी बरत पाते हैं कि जो हमारी विशेषताएं हैं उनको संजोकर रखें और उनको बनाकर रखते हुए जमाने के हथियारों को अपनायें या हम जमाने की नकल के फेर में अपनी श्रेष्ठताओं की भी बलि चढ़ाने को तत्पर हैं? क्या हमारे राजनेता इतना साहस जुटा पा रहे हैं कि वे अपने अंदर में बैठे उस निर्मूल भय को निकाल सकें जो उन्हें सार्वजनिक रूप से क्षत्रिय कहने या क्षत्रिय होने पर गौरवान्वित होने से रोकता है? क्या वे उस निर्मूल भय को धत्ता बताकर सार्वजनिक रूप से गंभीरता पूर्वक यह कह सकेंगे कि क्षत्रिय होने का मतलब जातिवादी होना नहीं होता और मैं इसलिए जातिवादी नहीं हूं क्योंकि मैं क्षत्रिय हूं? ऐसे ही अनेक प्रश्न यह चुनाव परिणाम हमारे सामने खड़े करता है। आगामी दिनों में फिर चुनाव हैं। गुजरात में चुनाव हैं, राजस्थान में चुनाव हैं, मध्यप्रदेश में भी चुनाव हैं, छत्तीसगढ़ में भी हैं, हिमाचल प्रदेश में भी हैं और ऐसे ही अनेक राज्यों में चुनाव होंगे। क्या हम मोल भाव कर पायेंगे, क्या हम हमारी सामाजिक भागीदारी बढ़ाने के लिए कोई योजनाबद्ध प्रयास कर पायेंगे? क्या गुजरात के लोग किसी पार्टी विशेष को थोक के भाव वोट देने से पहले उस पार्टी से पूछ पायेंगे कि क्या पूरे राजपूत समाज में उन्हें एक भी व्यक्ति लोकसभा का टिकट मात्र देने जैसा नहीं दिखता? क्या राजस्थान के लोग यह पूछ पायेंगे कि क्यों किसी पूरे जिले में एक मात्र मंडल अध्यक्ष बनने के लिए भी समाज के लोगों को संघर्ष करना पड़ता है? क्यों किसी जाति विशेष को थोक के भाव पंचायती राज की टिकटें थमा दी जाती हैं और हमारे को गिनगिन कर निपटाया जाता है? हम सोशल मीडिया पर बहुत गरिया लेते हैं, सड़कों पर बहुत हल्ला कर लेते हैं, लेकिन जब अवसर आता है तो अपने तुच्छ व्यक्तिगत स्वार्थों या व्यक्तिगत निष्ठाओं के चलते उन सब बातों को भूल जाते हैं जिनको लेकर हम लगातार गरियाते रहते हैं और उस गरियाने मात्र से अपने आपको सामाजिक चिंतक होने का प्रमाण पत्र देने को तत्पर होते हैं। इसलिए आवश्यक है कि हम हमारे विचारों के उथलेपन से बाहर निकल कर उनमें गहराई लायें, उन्हें परिपक्व बनायें और उस परिपक्वता को धरती पर भी उतारें। हम अपने आपको सामाजिक सिद्ध करने के मापदंडों को थोड़ा कड़ा बनायें और फिर उन मापदंडों पर स्वयं को कसने का प्रयास प्रारंभ करें। यह संकेत जमाना हमारे सामने विभिन्न तरीकों से पेश करता है, वह हमारे से अधिक गंभीर और जिम्मेदार व्यवहार की अपेक्षा करता है और अपनी वह अपेक्षा वह किसी न किसी बहाने प्रकट करता रहता है। ऐसा ही बहाना अभी हाल ही में संपन्न ये चुनाव हैं जो हमारे सामने कुछ प्रश्न खड़े कर रहे हैं, कुछ संकेत कर रहे हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम उन संकेतों को समझें, जानें, पहचानें और उनका विश्लेषण कर उपयुक्त क्रियाशीलता को अपनायें।

मेवाड़ का गुहिल वंश

बप्पा के बाद खुम्माण मेवाड़ का शासक बना, खुम्मान भी एक प्रतापी शासक था। खुम्माण के बाद मत्तट, भुर्तभट और सिंह क्रमशः मेवाड़ के शासक बने। भर्तृभट के बाद उसका ज्येष्ठ पुत्र सिंह तो मेवाड़ का शासक बना और छोटा पुत्र ईशान भट्ट चाटसू (जयपुर) के आसपास के प्रदेश का स्वामी हुआ, जिसकी जानकारी चाटसू से मिली एक प्रशस्ति से मिलती है। सिंह के बाद खुम्माण द्वितीय मेवाड़ का शासक बना। मेवाड़ के प्राचीन शिलालेखों के अनुसार वि.सं. 810 से वि.सं. 1000 के मध्य मेवाड़ में खुम्माण नाम के तीन शासकों का होना पाया जाता है, जबकि भाटो की ख्यातों में उक्त नाम का एक ही शासक का वर्णन आता है। खुम्माण द्वितीय के समय बगदाद के खलीपा अल झामूं का आक्रमण हुआ। खुम्माण द्वितीय ने उसके विरुद्ध अनेक शासकों के सहयोग से एक मोर्चे का निर्माण किया और खलीफा अलजामूं को पराजित किया। खुम्माण द्वितीय के बाद महायक और खुम्माण तृतीय शासक हुए जिनका कोई विशेष वर्णन नहीं मिलता। खुम्माण तृतीय के बाद उसका पुत्र भर्तृभट्ट द्वितीय मेवाड़ का शासक बना। भर्तृभट द्वितीय के शासन काल में मालवा के परमार शासक मुंज ने मेवाड़ पर आक्रमण कर आघाट (आहड) को नष्ट कर दिया था। भर्तृभट द्वितीय के दो शिलालेख मिले है जिनसे उसके शासन काल में जानकारी प्राप्त होती है। भर्तृभट द्वितीय के समय आहड में आदिवाराह के मंदिर का निर्माण हुआ। भर्तृभट द्वितीय के बाद उसका पुत्र अल्लट मेवाड़ का शासक बना। मेवाड़ की ख्यातों में अल्लट को आलु रावल भी कहा गया है। अल्लट का शासनकाल दसवीं शताब्दी के मध्य से प्रारम्भ होता है। आहाड़ के नजदीक सारणेश्वर नामक स्थान से अल्लट का एक शिलालेख प्राप्त हुआ है जिससे अल्लट की माता, पुत्र और उसके मंत्रियों के बारे में जानकारी मिलती है। इस शिलालेख से पता चलता है कि आहाड़ पुनः आबाद हो गया था और प्रमुख व्यापारिक नगर बन गया था। संभवतः अल्लट ने नागदा के साथ आहाड़ को भी राजधानी बनाया हो। अल्लट का उत्तराधिकारी उसका पुत्र नरवाहन हुआ। शक्ति कुमार के शिलालेख में उसको कलाओं का आधार, धीर, विजय का निवास स्थान, शत्रु दलों को नष्ट करने वाला, वैभव का भवन और विद्या की वेदी कहा हैं जिससे पता चलता है कि नरवाहन एक पराक्रमी और योग्य शासक था। नरवाहन के बाद शालिवाहन शासक बना। शालिवाहन के बाद शक्ति कुमार, अबांप्रसाद, विजयसिंह, अरिसिंह आदि अनेक शासक हुए। जिनके बाद क्षेमसिंह मेवाड़ के शासक बने जिनके दो भाई माहप और राहप शिगोद रहने लगे और राणा की उपाधि धारण की। राहप ने मंडोर के मोकल प्रतिहार को परास्त कर उनसे मंडोर छीन लिया। इसके बाद सामन्तसिंह मेवाड़ के शासक बने। जिसका संघर्ष गुजरात के अजयपाल से हुआ, नाडौल के कीर्तिमान चौहान ने सामन्तसिंह को परास्त कर मेवाड़ पर अधिकार कर लिया। सामन्तसिंह को मेवाड़ वागड़ की ओर जाना पड़ा जहां उन्होंने डूंगरपुर राज्य की स्थापना की। **(क्रमशः)**

माननीय संघप्रमुख श्री का राजस्थान व गुजरात प्रवास, सहयोगियों व स्वयंसेवकों से किया संवाद

तनायन (जोधपुर)

कानेटी

सिद्धपुर

(पेज 2 से लगातार)

निरंतर अभ्यास के बिना संस्कार स्थायी स्वरूप नहीं लेते इसलिए संघ के साथ हमारा नियमित संपर्क बना रहना आवश्यक है। संभागप्रमुख अर्जुनसिंह देलदरी सहयोगियों व समाजबंधुओं सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। 28 फरवरी को माननीय संघप्रमुख श्री के सानिध्य में भाद्राजून गढ़ में स्नेहमिलन आयोजित हुआ। कार्यक्रम में संघप्रमुख श्री ने कहा कि इतिहास हमारे समाज की धरोहर है, हमारी प्रेरणा का स्रोत है। वर्तमान में कतिपय स्वार्थी तत्वों द्वारा इसे विकृत करने का जो षड्यंत्र रचा जा रहा है उसे सहन नहीं किया जा सकता। हमें इतिहास विकृतिकरण के इस षड्यंत्र के विरोध के साथ-साथ सही इतिहास को भी अपनी भावी पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए कर्मरत होना होगा। इतिहास हमारे लिए एक शिक्षक की भांति है जो हमें जीवन जीने का सही मार्ग दिखाता है। हमारे महान पूर्वजों के आदर्श जीवन से शिक्षा लेकर हमें अपने जीवन को भी समाज, राष्ट्र और मानवता की सेवा में समर्पित करना है। इसी में इतिहास की वास्तविक उपयोगिता है और इस उपयोगिता को बनाये रखने के लिए इतिहास का संरक्षण भी आवश्यक है। संभागप्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी, करणवीरसिंह जी भाद्राजून व प्रान्तप्रमुख महोब्बत सिंह धींगाणा समाजबंधुओं सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। यहाँ से संघप्रमुख श्री जोधपुर स्थित संभागीय कार्यालय तनायन पहुंचे। यहाँ आयोजित स्नेहमिलन को संबोधित करते हुए संघप्रमुख श्री ने कहा कि हम सभी समाज की पीड़ा से पीड़ित होकर चिंता व्यक्त करते हैं लेकिन केवल चिंता से कोई समाधान नहीं होगा। यदि हम वास्तव में समाज में परिवर्तन लाना चाहते हैं तो हमें चिंता की बजाय चिंतन करना होगा। चिन्तन इस बात का कि आखिर हमारी पतनावस्था के कारण क्या हैं और कैसे उन कारणों को दूर किया जा सकता है। पूज्य श्री तन सिंह जी ने इसी प्रकार का चिंतन किया और उसी चिंतन के फलस्वरुप श्री क्षत्रिय युवक संघ का जन्म हुआ। हमारे सामाजिक जीवन में और सामाजिक चरित्र में आ रही गिरावट को रोकने के लिए श्री क्षत्रिय युवक संघ अपनी सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली के माध्यम से समाज में क्षत्रियोचित संस्कारों का सिंचन कर रहा है। यह कार्य अल्पकाल में होना संभव नहीं है क्योंकि हजारों वर्षों के पतन को रोककर समाज को पुनः उत्थान के मार्ग पर अग्रसर करना पीढ़ियों की साधना से ही संभव है। संघ वही साधना कर रहा है और जो इस साधना के महत्व को समझ जाते हैं वे संघ के साथ कदम मिलाकर चल पड़ते हैं। संभागप्रमुख चंद्रवीर सिंह देणोक सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। 01 मार्च को माननीय संघप्रमुख श्री नागौर संभाग में प्रवास पर रहे। उनके सान्निध्य में नागौर शहर स्थित अमर राजपूत छात्रावास में स्नेहमिलन आयोजित हुआ जिसमें शहर में रहने वाले समाजबंधु सम्मिलित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय संघप्रमुख श्री ने कहा कि आज की सर्वप्रथम आवश्यकता हमारे संगठित होने की है। यदि हम संगठित होंगे तो ही समाज की अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम बन सकेंगे। संगठन के अभाव में हमारी शक्तियां बिखरी हुई रहेंगी और बिखरी हुई शक्ति से कोई भी लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। श्री क्षत्रिय युवक संघ समाज में इसी संगठन के निर्माण में लगा हुआ है, लेकिन ऐसे सतोगुणीय संगठन का निर्माण त्याग और तपस्या से ही संभव है। निश्चित रूप से आज के प्रतिकूल वातावरण में इस प्रकार से त्याग और तपस्या का शिक्षण देना अत्यंत कठिन और दीर्घकालीन कार्य है लेकिन समाज जागरण का एकमात्र यही उपाय है इसलिए संघ पूरी निष्ठा के साथ इसमें लगा हुआ है। यहां से संघप्रमुख श्री रायधना पहुंचे तथा वहाँ चल रहे प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित हुए। यहाँ से जाखली पहुंच कर हाल ही दिवंगत हुए वरिष्ठ स्वयंसेवक छोटू सिंह जी जाखली के परिजनों से मिलकर श्रद्धांजलि व्यक्ति की तथा वरिष्ठ स्वयंसेवक हरि सिंह जी जाखली के निवास पर पहुंचकर उनसे भेंट की। तत्पश्चात संघप्रमुख श्री कुचामन स्थित आयुवान निकेतन कार्यालय पहुंचे तथा स्वयंसेवकों के साथ बैठक करके आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की और कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ की साधना सामूहिक साधना है जिसमें प्रत्येक स्वयंसेवक श्रृंखला की एक कड़ी की भांति कार्य करता है। यदि कोई भी कड़ी कमजोर होगी तो वह पूरे संघ को कमजोर करने का कारण बन सकती है। इसलिए आवश्यक है कि हम साधना द्वारा अपने आप को मजबूत बनाएं। हमे संघ की साधना में अपने आप को निमज्जित कर देना है क्योंकि ऐसा होने पर ही हमारी क्षमताएं सामाजिक आवश्यकता की पूर्ति में नियोजित हो सकेंगी। संभागप्रमुख शिंभू सिंह आसरवा सहयोगियों सहित साथ में रहे। 23 फरवरी से 1 मार्च तक राजस्थान के विभिन्न संभागों में प्रवास के पश्चात दूसरे चरण में 6 मार्च को माननीय संघप्रमुख श्री गुजरात प्रवास पर पधारे। गोहिलवाड़ संभाग में माननीय संघ प्रमुख श्री के सान्निध्य में 6 मार्च को दो स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित हुए। पहला कार्यक्रम मोरचंद प्रांत के मोरचंद गांव में आयोजित हुआ। स्नेहमिलन में संघप्रमुख श्री ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में बताते हुए कहा कि संघ कार्य सामाजिक जीवन के लिए संजीवनी के समान है। आज के दूषित वातावरण में समाज में जिन विकृतियों का प्रादुर्भाव हो रहा है, उन विकृतियों को दूर करके समाज में नवजीवन का संचार करने का एकमात्र उपाय श्री क्षत्रिय युवक संघ ही है। यद्यपि यह दीर्घकालीन एवं कष्ट पूर्ण मार्ग है लेकिन इसका परिणाम व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और मानवता के लिए अमृततुल्य होगा। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है कि जो कर्म करते समय अमृत के समान लगते हों, किंतु जिनका परिणाम विष के समान हो वे त्याज्य हैं और जिन कर्मों को करते समय कष्ट अनुभव होता हो लेकिन जिनका परिणाम अमृत के समान हो वे ही कर्म करणीय हैं। छनुभा पच्छेगाम ने संघ व पूज्य तनसिंह जी का परिचय प्रस्तुत किया। इसके पश्चात संघप्रमुख श्री ने प्रान्त के स्वयंसेवकों के साथ बैठक की तथा उनसे सक्रियता पूर्वक संघकार्य में जुटने के लिए कहा। **(शेष पृष्ठ 6 पर)**

आशापुरा मंदिर (राजकोट)

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

Mobile : 95497-77775, 87428-13538, 98288-34449
जय श्री
बॉयज हॉस्टल
BEST FOR | 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, Science Blo, Maths, IIT, NEET, JEE, Foundation, Target
CLC के पास, पिपराली रोड, सीकर
ALLEN के पीछे, शरदलता हॉस्पिटल के पास, पिपराली रोड, सीकर

अलख नयन
आई हॉस्पिटल

Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर एक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624

सौराष्ट्र कच्छ संभाग में संपर्क यात्रा का आयोजन

गुजरात के सौराष्ट्र कच्छ संभाग में 26-27 फरवरी को संपर्क यात्रा का आयोजन हुआ जिसमें संभाग प्रमुख छनुभा पच्छेगाम, जामनगर प्रांत प्रमुख शक्ति सिंह कोटडा व राजकोट प्रांत प्रमुख कृपाल सिंह लुणीवाव सहयोगियों सहित शामिल रहे। संपर्क यात्रा के अंतर्गत 26 फरवरी को राजकोट, हड़मतिया व चणोल में संपर्क किया गया। राजकोट राजपूत छात्रालय में बैठक का आयोजन हुआ जिसमें माननीय संघप्रमुख श्री के गुजरात प्रवास के दौरान होने वाले कार्यक्रमों तथा आगामी उच्च प्रशिक्षण शिविर में संभाग से अधिकाधिक सहभागिता पर चर्चा हुई। तत्पश्चात हड़मतिया में मातृशक्ति की बैठक आयोजित हुई जिसमें उर्मिला बा पच्छेगाम ने श्री क्षत्रिय युवक संघ व पूज्य तनसिंह जी का परिचय दिया, साथ ही आगामी बालिका उच्च प्रशिक्षण शिविर में आने का निमंत्रण उपस्थित बालिकाओं व महिलाओं को दिया। इसके पश्चात चणोल गांव में भी संपर्क कर-के मातृशक्ति की बैठक आयोजित की गई। 27 फरवरी को कोटड़ा नायाणी गांव में महिलाओं व पुरुषों की अलग-अलग बैठकें आयोजित हुई जिनमें शाखा के महत्व और संगठन की आवश्यकता पर चर्चा हुई। इसी दिन शिशांग, मकाजी मेघपर व कालावाड गांव में भी संपर्क करके बैठकों का आयोजन किया गया जिनमें श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के संबंध में समाजबंधुओं को विस्तृत जानकारी दी गई।

हर्षवर्द्धन सिंह बरखेड़ा ने उत्तीर्ण की सैन्य स्कूल प्रवेश परीक्षा

मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले की मल्हारगढ़ तहसील के छोटे से गांव बरखेड़ा जयसिंह निवासी हर्षवर्धन सिंह ने सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 2022 श्रेष्ठ अंको से उत्तीर्ण कर परिजनों व ग्रामवासियों को गौरवान्वित किया है। भविष्य में भारतीय वायुसेना में पायलट बनने की आकांक्षा रखने वाले हर्षवर्धन सिंह श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण ले चुके हैं।

कविता

घर में भणवा री रीत राखजे
पुरखा री राखियोड़ी प्रीत राखजे
गऊ रि खातर माथा देता
वा रखवाली री रीत राखजे।

शिवा जेडी चेत राखजे
पुरखे राखियोड़ा खेत राखजे
वैला पड़ियो काम आसी
भाई सेणा सूं थोड़ा हेत राखजे

हालता पागड़े जीत राखजे
होली दिवाली रा गीत राखजे
भाटे-भाटे नाम राणा रो
वा राणा जेड़ी टेक राखजे।

पन्ना जेड़ो मन राखजे
पद्मिनी जेडो बेदाग तन राखजे
रण में लड़ता माथो देणो
वो पीढ़ियों रो वचन राखजे

फेरा खातों पाबू फरियो
वेडी वचन री नीत राखजे
अंत वेला तक कल्ला लड़ियों
वा चार हाथ भीत राखजे।

हकीम खां जेडो हेलो राखजे
राणा पूंजा जेडो जेलो राखजे
बुढ़ापा में मात पित रो हेत राखजे
राते जागण रो चेत राखजे
कर्म वायोडा पासा उगेला
चोखा करमा रो खेत राखजे।।

दुर्गा वाली जीत राखजे
मीरां वाली प्रीत राखजे
राजो रण सु जो भटके
हाड़ी वाली नीत राखजे।

भागीरथसिंह थुंबा

(पृष्ठ पांच का शेष)

माननीय संघप्रमुख...

सायंकाल में भावनगर शहर प्रान्त के कालियाबीड गांव में स्नेहमिलन आयोजित हुआ। संघप्रमुख श्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ को समाज का पूर्ण सहयोग सदैव मिलता रहा है और इसके लिए संघ आप सभी का आभारी है। लेकिन समाज की आवश्यकता बहुत बड़ी है और इसीलिए हम सबको मिलकर और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। जो श्रेष्ठ लोग होते हैं वे आगे बढ़कर दायित्व को निभाते हैं और जो नेष्ट लोग होते हैं वे अपने दायित्व से बचने का प्रयास करते हैं। हमारे पूर्वजों ने सदैव इस समाज और संस्कृति की रक्षा का दायित्व निर्वहन किया है। हम भी उन्हीं की संतान हैं इसलिए हमें भी इस दायित्व को निभाना है। पूर्व सांसद राजेंद्र सिंह राणा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया व श्री क्षत्रिय युवक संघ के कार्य में अधिकाधिक सहयोग का आह्वान किया। घनश्याम सिंह बावडी ने कार्यक्रम का संचालन किया। कालियाबीड क्षत्रिय समाज के प्रमुख अश्विन सिंह लोलिया, गोहिलवाड़ राजपूत समाज के उपप्रमुख वनराज सिंह नेशिया, जयदीप सिंह पिपरिया, धर्मेन्द्र सिंह लाकड़िया सहित अनेकों गणमान्य समाजबन्धु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास 7 मार्च को सौराष्ट्र कच्छ संभाग में प्रवास पर रहे जहाँ उनके सान्निध्य में पाँच स्थानों पर स्नेहमिलन कार्यक्रम रखे गए। सर्वप्रथम राजकोट स्थित हरभमजी राज गरासिया राजपूत छात्रावास में कार्यक्रम आयोजित हुआ। माननीय संघप्रमुख श्री ने उपस्थित समाजबंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे पूर्वजों ने देश, धर्म और संस्कृति के लिए त्याग किया, बलिदान दिया इसीलिए सभी ने उन्हें आदर दिया, उन्हें देवताओं के समकक्ष स्थान दिया और उन्हीं के कारण हमें भी आज तक सम्मान प्राप्त होता रहा है। किंतु यदि उस सम्मान की हम कीमत नहीं चुका सकेंगे तो हम उस सम्मान को, उस गौरव को खो देंगे। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने उन्हीं महान पूर्वजों की तरह त्याग और बलिदान के मार्ग पर चलते हुए देश, धर्म और संस्कृति की रक्षा करें। इसके पश्चात हड़मतिया गांव में कार्यक्रम रखा गया जिसमें समाजबंधुओं ने संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में जाना। गांधीग्राम स्थित श्री राजपूत सभा भवन में भी स्नेहमिलन आयोजित हुआ जिसमें संघप्रमुख श्री ने समाजबंधुओं से श्री क्षत्रिय युवक संघ से जुड़ने व उसमें सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। साथ ही हीरक जयंती में मिले सहयोग के लिए समाज का आभार भी व्यक्त किया। इसके पश्चात रतनुपर व कोटड़ा नायाणी गांव में भी स्नेहमिलन आयोजित हुए जिनमें संघ प्रमुख श्री ने कहा कि हीरक जयंती समारोह के पश्चात पूरे संसार की नजर हम पर है और हर कोई इस बात को मानने के लिए विवश हुआ है कि क्षत्रिय कौम ही संसार का मार्गदर्शन करने में सक्षम है, इसलिए हमारा दायित्व भी बहुत बढ़ गया है। हमें हमारी भावी पीढ़ी को इस प्रकार से प्रशिक्षित करना है कि वह हमारी कौम की प्रतिष्ठा बढ़ाए और संसार की आशाओं को पूरा कर सके। दोनों कार्यक्रमों में सैकड़ों समाजबंधु सम्मिलित हुए।

अपने गुजरात प्रवास के तीसरे दिन 8 मार्च को माननीय संघप्रमुख श्री सुरेन्द्रनगर स्थित शक्तिधाम कार्यालय पहुंचे। यहाँ उनके सान्निध्य में स्नेहमिलन रखा गया जिसमें सुरेन्द्रनगर में रहने वाले स्वयंसेवक व समाजबंधु सम्मिलित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघप्रमुख श्री ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ के कार्य की मांग समाज में बहुत अधिक है, हीरक जयंती के पश्चात यह मांग और अधिक बढ़ गई है और इस मांग को पूरा करने के लिए हमें न केवल अपने कार्य की गति को बढ़ाना होगा बल्कि अधिक से अधिक शाखाओं व शिविरों के माध्यम से युवा पीढ़ी को प्रशिक्षित करना होगा। 9 मार्च को माननीय संघप्रमुख श्री उत्तर गुजरात संभाग के दौरे पर रहे। इस दौरान मोढेरा व सिद्धपुर में उनके सान्निध्य में स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित हुए। मोढेरा में संघप्रमुख श्री ने कहा कि संघ से निरंतर जुड़े रहने पर ही हमारे जीवन में बदलाव आएगा। यदि संघ से दूरी पैदा हो जाएगी तो हमारे विकास की गति रुक जाएगी और जो कुछ श्रेष्ठ तत्व हमने प्राप्त किया है, वह भी निरुपयोगी बन जाएगा। इसलिए निरंतर संघ के संपर्क में बने रहना आवश्यक है। संघप्रमुख श्री ने यहां सोलंकी शासकों के काल में बने सूर्य मंदिर के दर्शन भी किए। सिद्धपुर में आयोजित कार्यक्रम में संघप्रमुख श्री ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ समाज में ही कार्य करता है और समाज के सहयोग से ही यह कार्य चल रहा है। समाज ही श्री क्षत्रिय युवक संघ का आराध्य है। उद्योगपति व गोकुल विश्वविद्यालय के प्रोपराइटर बलवंत सिंह राजपूत ने भी अपने विचार रखे। रात्रि में रोहित सिंह खिलोड़ के निवास पर स्वयंसेवकों के साथ बैठक में संघप्रमुख श्री ने आगामी उच्च प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों में जुटने के निर्देश दिए। केंद्रीय कार्यकारी महेन्द्र सिंह पांची सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। 10 मार्च को माननीय संघ प्रमुख श्री मध्य गुजरात संभाग पहुंचे। यहां कानेटी गांव स्थित प्राथमिक शाला में स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघप्रमुख श्री ने कहा कि पूज्य श्री तन सिंह जी ने समाज की आज की स्थिति को 75 वर्ष पूर्व ही भांप लिया था। इतनी आगे की सोच केवल किसी महापुरुष अथवा युगपुरुष के पास ही हो सकती है। पूज्य श्री तन सिंह जी ऐसे ही युगपुरुष थे। समाज की पतनावस्था की कल्पना से उनके हृदय में जो पीड़ा जगी और उस पीड़ा के फलस्वरूप जो चिंतन उनके भीतर पैदा हुआ उसी ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का रूप लिया। हीरक जयंती समारोह के रूप में पूज्य श्री तन सिंह जी और निष्ठा पूर्वक उनके बताए मार्ग पर चलने वाले उनके साथियों की तपस्या ही प्रकट हुई है। राजपूत विकास संघ की ओर से जितुभा कानेटी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में समाजबंधुओं के साथ मातृशक्ति की भी उपस्थिति रही। इसके पश्चात माननीय संघ प्रमुख श्री साणंद के निकट तेलाव स्थित वाटर पार्क पहुंचे जहां संभाग के स्वयंसेवकों के साथ बैठक की। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संघ के साथ हमारे संपर्क में व्यवधान नहीं आना चाहिए। यदि किसी कारणवश व्यवधान आ भी गया है तो फिर से संघ के शिविरों में आकर संपर्क को पुनः जोड़ लेना चाहिए। आगामी उच्च प्रशिक्षण शिविर एक ऐसा ही अवसर है जिसमें हम सभी को अवश्य ही सम्मिलित होना है। 11 मार्च से 14 मार्च तक माननीय संघ प्रमुख श्री वापी, मुम्बई व सूरत के प्रवास पर रहे। जिसके विस्तृत समाचार अगले अंक में प्रकाशित होंगे।

संघशक्ति में फागोत्सव

10 मार्च को केन्द्रीय कार्यालय 'संघशक्ति' में महिलाओं ने फागोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया एवं माननीय संरक्षक श्री से आशीर्वाद लिया।

नरेंद्र सिंह और सरप्रतापसिंह को राज्य स्तरीय सम्मान

शिक्षाविद तेजकरण डंडिया राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 2022 में सिरोही जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नागाणी (रेवदर) के शिक्षक नरेंद्र सिंह चंपावत को व राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (अरठवाड़ा) के व्याख्याता सरप्रताप सिंह उथमण को उत्कृष्ट सेवा के लिए पुरस्कृत किया गया। नरेंद्र सिंह चंपावत को दूसरी बार यह राज्य स्तरीय सम्मान मिला है।

खुशबू कंवर को स्वर्ण पदक

नागौर जिले की लाडनूं तहसील के दुजार गांव निवासी खुशबू कंवर को अहमदाबाद स्थित डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय के 7वें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया है। खुशबू कंवर ने जुलाई 2021 बैच में मानव संसाधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएचआर) परीक्षा में प्रथम स्थान हासिल किया है।

शिविर सूचना

दिनांक 1 से 3 अप्रेल 2022 तक अजमेर नागौर रोड़ पर स्थित बुटाटी गांव में श्री क्षत्रिय युवक संघ का एक प्रा. प्र. शि. आयोजित किया जा रहा है। रेल से आने वाले लोग रैण स्टेशन उतर कर बुटाटी पहुंचें।

संपर्क सूत्र- 9829061356

अखेराजोत विकास ट्रस्ट द्वारा सेवा कार्य

जोधपुर के अखेराजोत विकास ट्रस्ट द्वारा राजकीय क्षयरोग चिकित्सालय में भर्ती मरीजों व उनके परिजनों के लिए निशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष श्याम सिंह खीचन व सचिव भीम सिंह तिंवरी ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर मरीजों की सेवा की व उनको आवश्यक सामग्री का वितरण भी किया।

सिरोही में राजपूत समाज की बैठक सम्पन्न

सिरोही में रेवदर रोड पर स्थित महाराव सुरताण क्षत्रिय शिक्षण संस्थान में 27 फरवरी को छात्रावास के विकास को लेकर राजपूत समाज की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान छात्रावास के विकास में सहयोग करने वाले भामाशाहों का सम्मान भी किया गया। संस्था के अध्यक्ष समरवीर सिंह ने सभी का आभार जताया।

गोगावास में दिया सामाजिक समरसता का संदेश

सीकर जिले में मोटलावास ग्राम पंचायत के गोगावास गांव में सरपंच प्रभु सिंह शेखावत ने सामाजिक समरसता का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए वाल्मीकि समाज के सज्जन कुमार के निधन पर स्वयं पगड़ी की रस्म करवाई। इस दौरान उपस्थित ग्रामवासियों ने इस पहल की सराहना की और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया।

श्री मल्लीनाथ छात्रावास का वार्षिकोत्सव समारोह सम्पन्न

बाड़मेर स्थित श्री मल्लीनाथ छात्रावास का वार्षिकोत्सव समारोह 1 मार्च को छात्रावास परिसर में मनाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्नल नरेंद्र सिंह ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम और एकाग्रता परम आवश्यक है लेकिन साथ ही अपने गुरुजनों के प्रति श्रद्धा और उनके बताए मार्ग पर चलना भी आवश्यक है। पुलिस उपाधीक्षक आनंद सिंह राजपुरोहित ने विद्यार्थियों से अपना लक्ष्य निश्चित करने और पूरी निष्ठा से उसकी ओर बढ़ने की बात कही। नगर परिषद सभापति दीपक माली ने विद्यार्थियों से अनुशासित रहने की बात कही। छात्रावास के संरक्षक कमल सिंह महेचा ने कहा कि विगत आठ दशकों से यह छात्रावास शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगाने का कार्य कर रहा है, जिसके पीछे अनेक व्यक्तियों का श्रम एवं तपस्या लगी है। हमें उन सभी के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। रावत त्रिभुवन सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। व्यवस्थापक महिपाल सिंह चूली ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह के दौरान प्रतिभाओं को पुरस्कृत भी किया गया। सेवानिवृत्त आरपीएस मूल सिंह भाटी, डिप्टी कमांडेंट रवींद्रसिंह राठौड़ सहित अनेकों गणमान्य सज्जन कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

लक्ष्मणसिंह रामदेरिया का देहावसान

लक्ष्मण सिंह

पुज्य श्री तनसिंह जी के पौत्र व श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक **लक्ष्मण सिंह रामदेरिया** पुत्र श्री पृथ्वीसिंह का 13 मार्च 2022 को देहावसान हो गया है। वे लंबे समय से कैंसर की बीमारी से संघर्ष कर रहे थे। अद्भुत जिजीविषा के धनी लक्ष्मण सिंह ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के कुल 24 शिविर किए। 1-6 नवम्बर 1990 तक आयोजित भीमगोडा आईटीसी उनका प्रथम शिविर था। पथप्रेरक परिवार परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि उनको अपने श्री चरणों में स्थान देवें तथा परिजनों को इस दुःख की घड़ी में सम्बल प्रदान करें।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शांतचित्त, मिलनसार, कुशल प्रशासक एवं मानवीय गुणों से ओतप्रोत व्यक्तित्व वाले हमारे आदरणीय सहयोगी

श्री कृष्ण सिंह राणीगांव

के **पदोन्नत** होकर

जिला शिक्षा अधिकारी

बनने पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

शुभेच्छु

महिपाल सिंह चूली	छगनसिंह लुणु	प्रेमसिंह लुणु	कमलसिंह गेंहू
अशोकसिंह भीखसर	प्रेमसिंह लाबराऊ	देवीसिंह राणीगांव	सुजानसिंह देदुसर
सांवल सिंह भैंसड़ा	बाबूसिंह सरली	हीरसिंह सणाऊ	समदरसिंह देदुसर
स्वरूपसिंह भाडली	महेंद्र सिंह ताणु मानजी	उत्तम सिंह देवड़ा	भगवती सिंह मोढ़ा
थानसिंह शिवकर	विजयसिंह माडपुरा	नींबसिंह भीखसर	झब्बरसिंह आकोड़ा
दुर्जनसिंह आकोड़ा	गणपतसिंह लाखणी	गोरधनसिंह नोहड़ियाला (सरपंच, खबड़ाला)	

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष: 2466353 व 2466387) से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org